हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
6 अक्टूबर 2025, बरेली

PAGE NO : 07 MIDDLE

विभाजन की त्रासदी दिखाता है 'हमारे बापू'

नाटक

रविवार को श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार।

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार को गगनिक सांस्कृतिक समिति शाहजहांपुर ने नाटक हमारे बापू का मंचन किया। राजेश कुमार लिखित और कप्तान सिंह निर्देशित नाटक देश के विभाजन और दंगों की विभीषिका पर आधारित है। नाटक के मुख्य पात्र गांधीजी के अनुयायी पंडित तारकेश्वर पांडे हैं, जो दंगों में अपना इकलौता पुत्र खो देते हैं। शोकाकुल अवस्था में वे गांधी जी के पास पहुंचते हैं, जो उस समय दंगों के खिलाफ अनशन पर बैठे हैं। गांधीजी उन्हें समझाते हैं कि प्रतिशोध का मार्ग छोड़कर यदि वे सचमुच शांति चाहते हैं, तो एक मुस्लिम अनाथ बालक को गोद लेकर उसका पालन-पोषण उसी धर्म-रीति से करें। तारकेश्वर इस संदेश को आत्मसात कर छोटे आफताब को गोद ले लेते हैं। वर्षों बाद जब बड़ा होकर आफताब भटककर आतंकवाद की ओर जाता है, तब अंततः वह पिता की सीख को याद करता है और लौटकर क्षमा मांगता है। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, दिविशा मूर्ति, सुभाष मेहता, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।